

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,

- अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

रेशम विकास विभाग,

प्रेमनगर देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक 26 मार्च, 2008

विषय:- अनुदान संख्या-29,30 एवं 31 की जिला पक्ष की योजना "रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार" हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा समग्र रूप से अनुमोदित परिव्यय रु0-68.05 लाख के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त धनराशि रु0-54.50 लाख के अतिरिक्त अवशेष रही धनराशि रु0-13.55 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3564/रेशम/तक0अनु0/बजट/2007-08 दिनांक-06/12/2008 द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के सन्दर्भ में अवगत कराना है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में आयोजनागत पक्ष की जिला योजना "रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार" हेतु अनुदान संख्या-29,30 एवं 31 के अन्तर्गत क्रमशः रु0-34.82 लाख, रु0-17.28 लाख तथा रु0-2.40 लाख अर्थात् कुल रु0-54.50 लाख की वित्तीय स्वीकृति पूर्व में निर्गत की जा चुकी है। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा उक्त जिला योजना हेतु वर्ष 2007-08 में समग्र रूप से अनुमोदित परिव्यय (पूँजीगत परिव्यय सहित) की धनराशि रु0-68.05 लाख की सीमान्तर्गत उक्त योजना के क्रियान्वयन हेतु अनुदान संख्या-29 की योजना 0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार के उप मानक मद-02-मजदूरी में अवशेष धनराशि रु0-299 हजार में से रु0-24.00 हजार तथा 31-सामग्री एवं सम्पूर्ति मद में अवशेष रही धनराशि रु0-137.00 हजार में से रु0-3.00 हजार की स्वीकृति एवं संगत योजनान्तर्गत उपलब्ध बचतों से रु0-211.00 हजार का पुनर्विनियोग कर कुल रु0-238.00 हजार की स्वीकृति, अनुदान संख्या-30 की योजना 0293-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार के उपमानक मद 26-मशीनें और सज्जा उपकरण एवं सयंत्र मद में संगत योजनान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग करते हुए रु0-10.00 हजार की स्वीकृति तथा अनुदान संख्या-31 की योजना 16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार के उपमानक मदों 02-मजदूरी एवं 31-सामग्री एवं सम्पूर्ति में संगत योजना तथा उद्यान विभाग की अनुदान संख्या-31 की योजना 14-फल सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण की योजनान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग करते हुए कुल रु0-1107.00 हजार की स्वीकृति अर्थात् अनुदान संख्या-29,30 एवं 31 के अन्तर्गत समग्र रूप से रु0-1355.00 हजार (रु0 तेरह लाख पचपन हजार मात्र) आय-व्ययक के अवशेष बजट प्राविधान तथा संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र बी0एम0-15 की बचतों से स्वीकृत करते हुए इतनी ही धनराशि संलग्नक-1 एवं संलग्नक-2 में उल्लिखित विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय, जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित परिव्यय की सीमान्तर्गत सुनिश्चित किया जायेगा। अनुमोदित परिव्यय की सीमा से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।
- 2- इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- 3- उक्त व्यय करते समय वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

- 4- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य रथाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- 8- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि अविलम्ब जनपदों को आवंटित कर दी जाय, जिससे सम्बन्धित जनपदों के जिला योजना से सम्बन्धित कार्य अविलम्ब सम्पादित कराये जा सकें।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-29,30 एवं 31 के अन्तर्गत संलग्नक-1 में उल्लिखित विवरणानुसार अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा, तथा अनुदान संख्या-29 की योजना 0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार हेतु आय-व्ययक में अवशेष रही धनराशि एवं संलग्न बी0एम0-15 की बचतों तथा अनुदान संख्या-30 की योजना 0293-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार व अनुदान संख्या-31 की योजना 16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार हेतु संलग्न बी0एम0 15 की बचतों से वहन किया जायेगा।
- 11- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-545(P)/XXVII-4/2007, दिनांक-26 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)

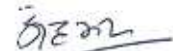
अपर सचिव।

संख्या-268/XVI/08/7(8)/07/तददिनांक:

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2-निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।
- 3-वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन
- 4-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
- 6-राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 7-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 8-समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(अहमद अली)

अनु सचिव।

(धनराशि हजार रूपयें में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना का नाम/मद	कुल बजट प्राविधान	पूर्व में अवमुक्त की गई धनराशि	आय-व्ययक में अवशेष एवं पुनर्विर्नियोगोपरान्त स्वीकृति की जा रही धनराशि
1	2	3	4	
1-	अनुदान सं०-29 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00- आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास			
	0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार			
	02-मजदूरी	2200	1901	24
	08-कार्यालय व्यय	150	150	97
	15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल की खरीद	200	200	95
	19-विज्ञापन विक्री एवं विख्यापन	100	100	19
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	250	186	0
	29-अनुरक्षण	500	482	0
	31-सामग्री और सम्पूति	600	463	3
	योग-0791	4000	3482	238
2-	अनुदान संख्या-30 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म- आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान			
	0293-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार			
	02-मजदूरी	1800	1060	0
	08-कार्यालय व्यय	80	10	0
	19-विज्ञापन विक्री और विख्यापन	100	0	0
	26-मशीनें और सज्जा उपकरण एवं संयंत्र	220	220	10
	31-सामग्री और सम्पूति	500	438	0
	योग-0293	2700	1728	10
3-	अनुदान संख्या-31 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-00-			
	16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार			
	02-मजदूरी	200	200	1020
	08-कार्यालय व्यय	20	0	0
	19-विज्ञापन विक्री और विख्यापन	20	0	0
	26-मशीनें और सज्जा उपकरण एवं संयंत्र	20	0	0
	31-सामग्री और सम्पूति	40	40	87
	योग:- 16	300	240	1107
	कुल योग (अनुदान संख्या-29,30 एवं 31)	7000	5450	1355

(रूपयें तेरह लाख पचपन हजार मात्र)


(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।

पुनर्विनिर्माण विवरण पत्र 2007-08 अनुदान संख्या-29,30 एवं 31 (आयोजनागत-आयोजनागत)
नियंत्रक अधिकारी-निदेशक, रेशम विकास विभाग, उत्तराखण्ड
प्रशासनिक विभाग-उद्घान एवं रेशम विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

(धनराशि रुपये हजार में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि का स्थानान्तरण होना है।	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-29 2401-फसल कृषि कर्म आयोजनागत 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास-0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार	1810	179	211	अनुदान संख्या-29 2401-फसल कृषि कर्म आयोजनागत 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास-0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार	247	1989	(क) संगत मद में प्राविधानित आवश्यकता से अधिक होने के कारण इसमें से पुनर्विनिर्माण किया जा रहा है। (ख) बचतों की उपलब्धता एवं होने के कारण।
02-मजदूरी- 2200				08-कार्यालय व्यय- 97 15-गाड़ियों का अनुक्षण एवं पेट्रोल की खरीद- 95 19-विज्ञापन विक्री एवं विज्ञापन व्यय- 19 योग- 211	295		
अनुदान संख्या-30 2401-फसल कृषि कर्म आयोजनागत 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्प्लेन्ट प्लान 0293- रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार	09	61	10	अनुदान संख्या-30 2401-फसल कृषि कर्म आयोजनागत 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्प्लेन्ट प्लान 0293- रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार 26-मशीनें एवं सज्जा उपकरण एवं सयंत्र- 10 योग- 10	230	70	
08- कार्यालय व्यय 80							

उत्तराखण्ड शासन
वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4
संख्या- 545(P)/XXVIII-4-07
देहरादून: दिनांक-26 मार्च, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,
महालेखाकार,
उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग।
सहारनपुर रोड, देहरादून।


एम0सी0 जोशी,
अपर सचिव (वित्त)

संख्या- 268/XVI/08/7(83)/07, तदुद्दिनांकित। 26-3-08
प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड।
2- समस्त वरिष्ठ, कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
4- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।
5- गार्ड फाइल।


(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।